

25.07.

Objective

Break-even Analysis

(6) जब सुरक्षा उपान्त की बात की जाती है, तो मरिजिन में निम्न बच्य होता है.
When referring to margin of safety, one has the following in mind:

(a.) The excess of budgeted or actual sales over fixed costs.
बजटेड या वास्तविक बिक्री का स्थिर व्यय पर आधिक्य

(b.) The excess of actual sales over break-even sales.
वास्तविक बिक्री का सीमा-स्तर बिंदु बिक्री पर आधिक्य

(c.) The excess of actual sales over budgeted sales.
वास्तविक बिक्री का बजटेड बिक्री पर आधिक्य

सिध → (b) वास्तविक बिक्री का सीमा-स्तर बिंदु बिक्री पर आधिक्य

(7) लागत-मात्रा-लाभ विश्लेषण बहुत ही महत्वपूर्ण होता है.
Cost-volume-profit analysis is most important for the determining of:

(a.) The volume of operations necessary to break-even
उत्पादन सीमा स्तर बिंदु के लिए आवश्यक संचालन मात्रा के निर्धारण में

(b.) The variable revenues necessary to equal fixed costs
स्थिर व्यय के बराबर परिवर्तनीय आगम के निर्धारण में

(c.) The relationship between revenues and costs at various levels of operations
संचालन के विभिन्न स्तरों पर आगम व लागत के बीच संबंध के निर्धारण में

सिध → (c) → संचालन के विभिन्न स्तरों पर आगम व लागत के बीच संबंध के निर्धारण में

(8) परम्परागत लागत-मात्रा-लाभ विश्लेषण के पीछे लागत एवं आगम के व्यवहार संबंधी मुख्य मान्यता है:

The major assumption as to the cost and revenue behaviour underlying conventional cost-volume profit analysis is the:

(a.) Constancy of fixed assets (स्थिर व्यय की स्थिरता)

(b.) Variability of unit prices and efficiency (इकाई-दूलनों की परिवर्तनीयता व प्रभाव)

(c.) Linearity of relationship (संबंधों का रैखीयता)

सिध → (c) - संबंधों का रैखीयता

(9) जब सुरक्षा-उपान्त 28% है और दत्तांश-विक्रय अनुपात 60% हो तो लाभ होगा.
When margin of safety is 28% and contribution sales ratio is 60% the profit will be:

(a.) 30% (b.) 33 1/3% (c.) 16.8%

सिध → (c) - 16.8%

(10) लाभ-मात्रा अनुपात 50% तथा सुरक्षा उपान्त का 40%, बिक्री 100000 ₹। अतः उत्पादन सीमा स्तर बिंदु होगा:

P/V ratio 50% and percentage of margin of safety 40%, sales Rs. 100000, Hence B.E.P. will be:

(a.) Rs. 40,000 (b.) Rs. 60,000 (c.) Rs. 50,000 (d.) Rs. 70,000

सिध → (b) - 60,000

Unit - 10 - Variance Analysis

(1) सामग्री की वास्तविक लागत और प्रमाण लागत के अन्तर को कहा जाता है:
The difference between actual cost of materials and standard cost of materials is known as:

- (a.) material price variance (सामग्री मूल्य विचरण)
- (b.) material cost variance (सामग्री लागत विचरण)
- (c.) material usage variance (सामग्री प्रयोग विचरण)

सिद्ध \rightarrow (b) सामग्री लागत विचरण

(2) निम्न में से कौन-सा संबंध गलत है?
which one of the following relationship is incorrect?

- (a.) $MCV = MPV + MUV$ (b.) $MCV = MPV + MMV + MYV$
- (c.) $MCV = MPV + MUV + MMV$ (d.) $MCV = MPV + MRUV + MMU$

सिद्ध \rightarrow (c) $MCV = MPV + MUV + MMV$

(3) श्रम कार्यक्षमता की गणना के लिए कौन-सा सूत्र सही है?
which is the correct formula for calculating labour efficiency variance?

- (a.) $SR(ST - AT)$ (b.) $AR(ST - AT)$ (c.) $SR(ST - ATW)$
- (d.) $AR(ST - ATW)$

सिद्ध \rightarrow (c) $SR(ST - ATW)$

(4) सामग्री मिश्रण की गणना के लिए कौन-सा सूत्र प्रयोग किया जाता है?
which formula is used for calculating material mix variance?

- (a.) $SP(SQ - AS)$ (b.) $SP(RSQ - AS)$ (c.) $SP(SQ - RSQ)$ (d.) $AP(RSQ - AS)$

सिद्ध \rightarrow (b) $SP(RSQ - AS)$

(5) निम्न में से कौन-सा सामग्री प्रयोग विचरण परभावकारी नहीं है?
which is not the symmetrical of material usage variance?

- (a.) material Revised usage variance (सामग्री संशोधित प्रयोग विचरण)
- (b.) material Quantity variance (सामग्री मात्रा विचरण)
- (c.) material Efficiency variance (सामग्री कुशलता विचरण)

सिद्ध - (a) सामग्री संशोधित प्रयोग विचरण